Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

ई-पाठशाला कार्यक्रम

Class 9th Geography

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी



RAPID REVISION

Under CSR Support by
ipca | Foundation

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्राकृतिक वनस्पति

जलवायु
मृदा
द्वारा निर्धारित

1. उष्ण कटि. सदाबहार
2. उष्ण " पर्णपाती
3. उष्ण कटि. काँटेदार
4. पर्वतीय वन
5. मैन्ग्रोव वन / अनूप वन

NCERT

भारत

जैव विविधता सम्पन्न

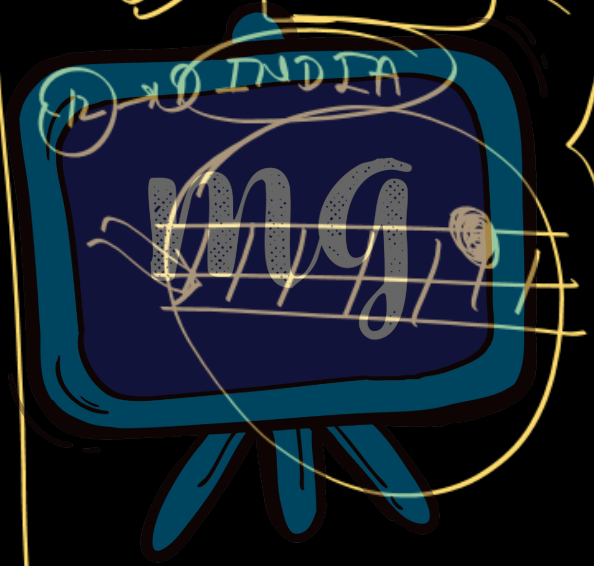

47000 → पौधों की जातियाँ
15000 → फूलों वाले पौधे

बिना फूल वाले पौधे
शैवाल, फर्न, मॉस

90,000
जानवर प्रजातियाँ

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

④ पर्वतीय वन

- हिमालय
- दक्षिण भारत
  - ① उष्ण कटि॰
  - ② शीतोष्ण

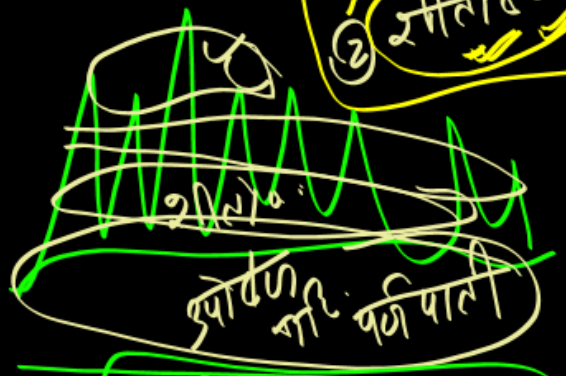

⑤ मैन्ग्रोव व अनूप वन

② उष्ण कटि॰ पर्णपाती

- आर्द्र → 100 - 200 cm.
- शुष्क → 70 - 100 cm.

③ उष्ण कटि॰ कँटीले वन

- मरुस्थल
- गंभीर जड़
- राजस्थान
- छोटदार झाड़ीनुमा वनस्पति

① उष्ण कटिबंधीय

- 200 cm. + वर्षा
- 22°C + ताप
- रोजवुड, महोगनी, ऐनी, एबनी
- बहुस्तरीय वन



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

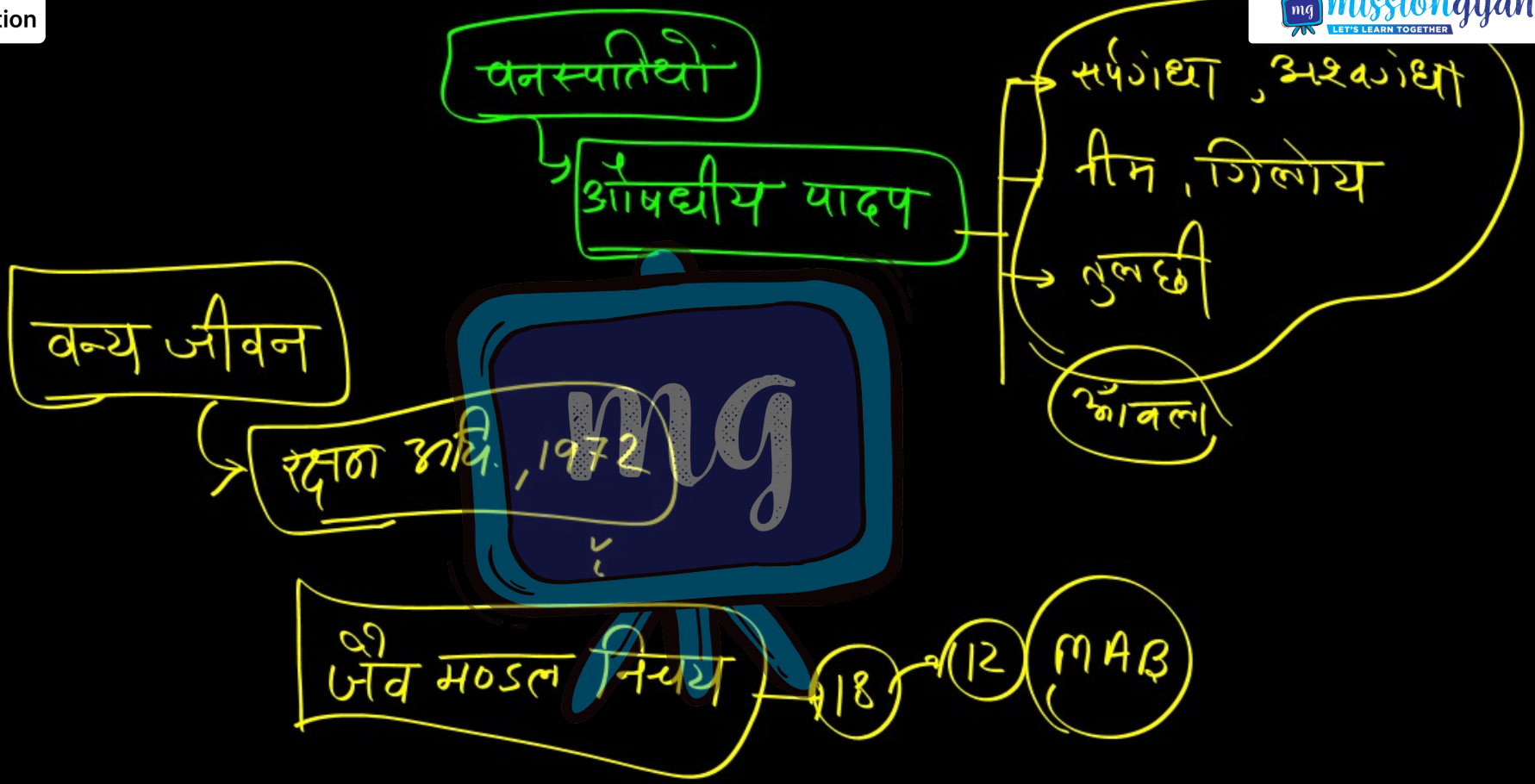

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

Q.1 भारत में प्राकृतिक वनस्पति के मूलतः भारतीय पौधों को क्या कहा जाता है?

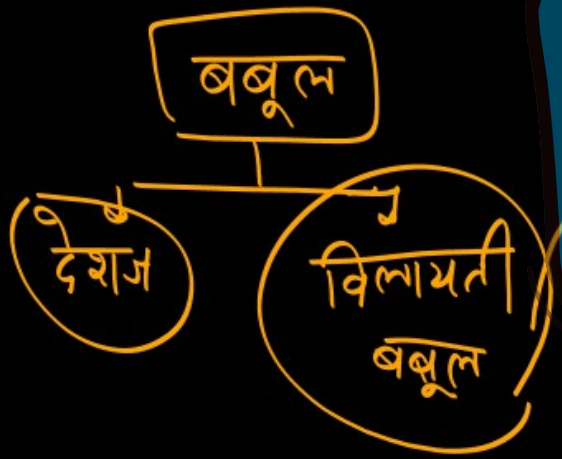

A विदेशी पौधे

B देशज पौधे

C औषधीय पौधे

D कृषि पौधे

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

बिना पुष्प वाले पादपों
→ शैवाल, फर्न, मॉस (सिल्वर फर्न, जूनिफर)

भारत
↓
विश्व की 8% जैव
- विविधता

पुष्पीय पादप ⇒ 15000 जातियाँ
पादपों की जातियाँ ⇒ 47000 "
जानवरों " - ⇒ 90,000 "

Q.2 भारत में विश्व के पुष्पीय पौधों का लगभग कितना प्रतिशत पाया जाता है?

(A) 3 प्रतिशत

(B) 6 प्रतिशत

(C) 12 प्रतिशत

(D) 13 प्रतिशत

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 भारत के किस प्रकार के वन वर्षभर हरे-भरे दिखाई देते हैं?



A उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन

B शुष्क पर्णपाती वन

C काँटेदार वन

D अल्पाइन वनस्पति

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.4 सिनकोना के वृक्ष किस प्रकार की वनस्पति वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं?

A मरुस्थलीय वनस्पति

B उष्ण कटिबंधीय वर्षा वन

C काँटेदार वनस्पति

D अल्पाइन वनस्पति

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.5 शुष्क पर्णपाती वनों में प्रमुख रूप से कौन-से वृक्ष पाए जाते हैं?

A सागौन, साल, पीपल और नीम

B देवदार, स्प्रूस और सिल्वर फर

C कैक्टस और यूफोर्बिया

D सुंदरी और नारियल

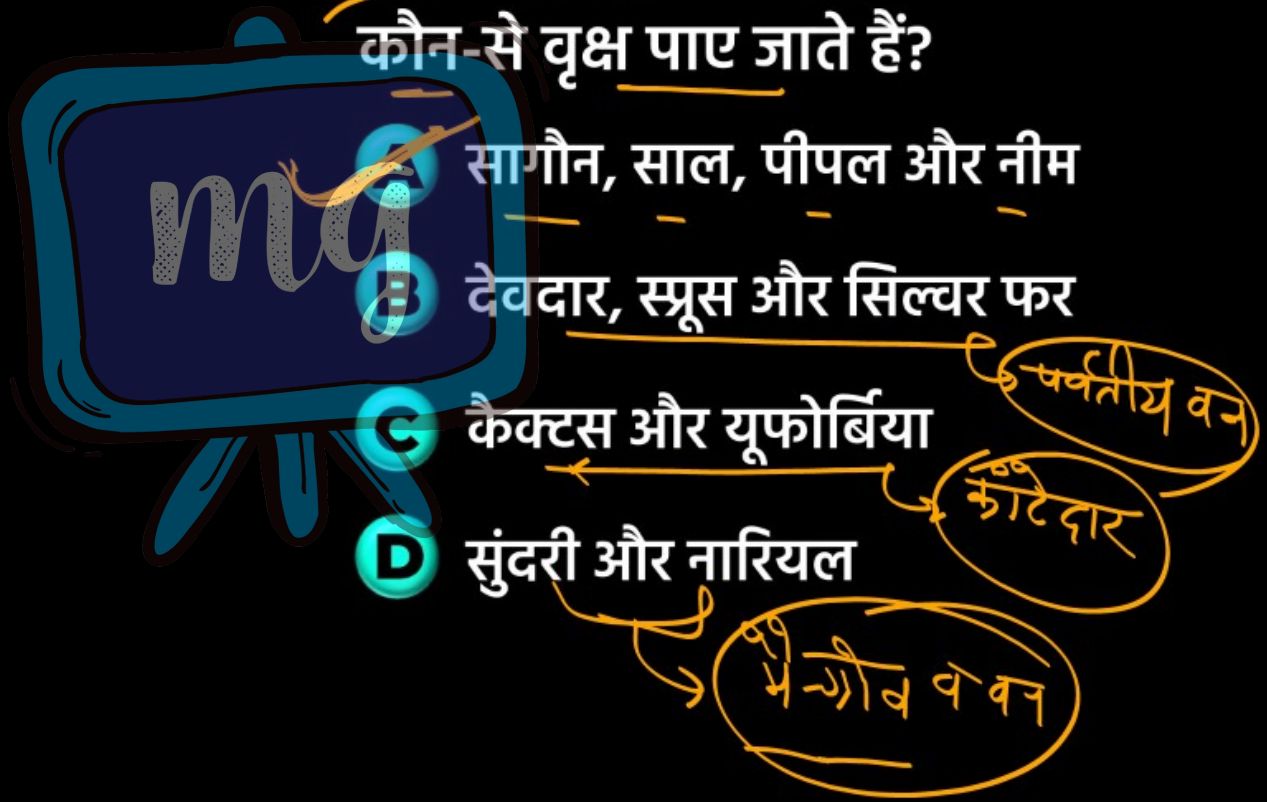

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.6 सिमलीपाल जैवमंडल निचय किस राज्य में स्थित है?

A. पंजाब
B. दिल्ली
C. ओडिशा
D. पश्चिम बंगाल

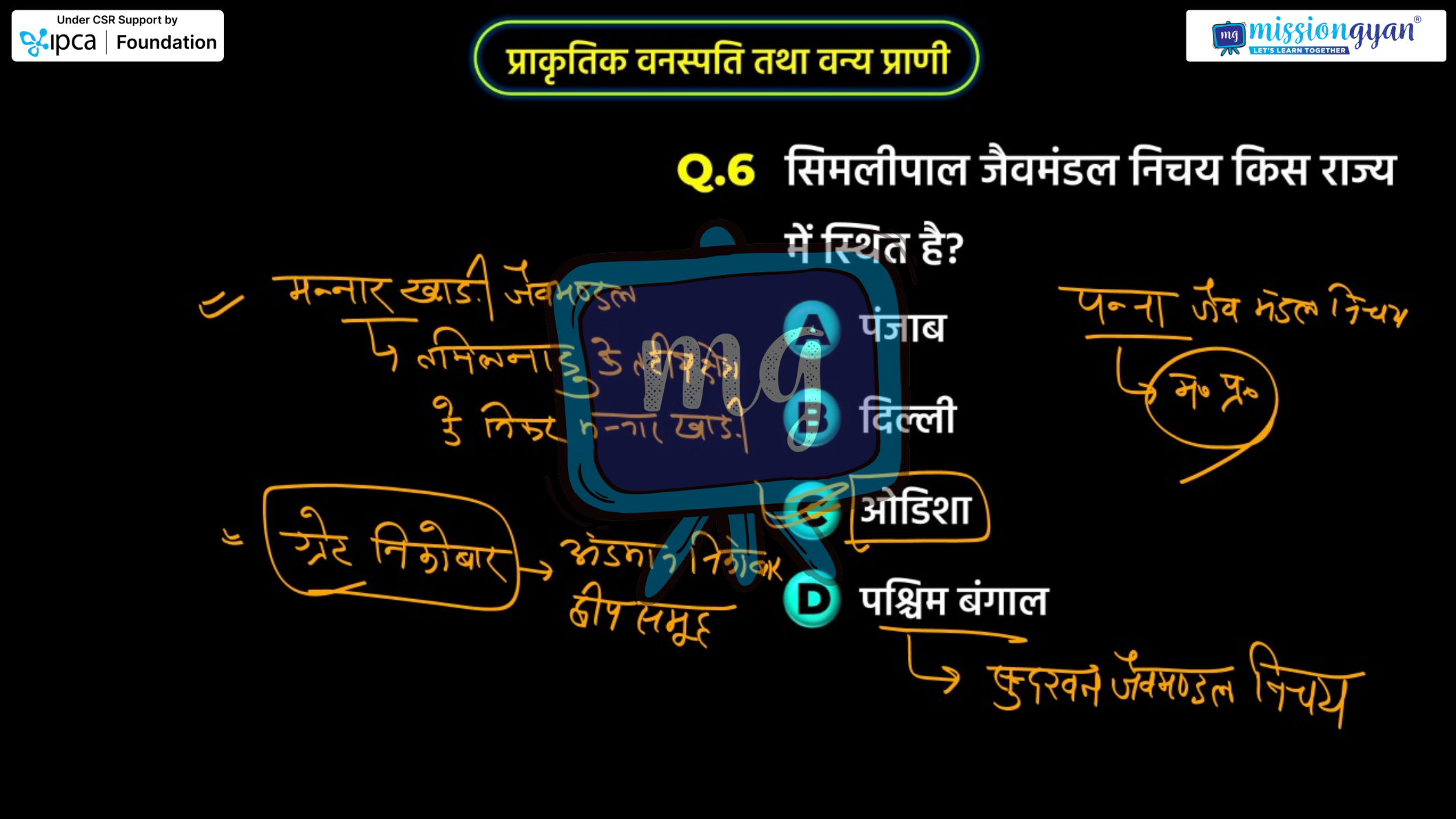

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.7 भारत के किस जैवमंडल निचय को विश्व के जैवमंडल निचयों में शामिल किया गया है?



A मन्नार की खाड़ी

B पन्ना

C मानस

D अचनकमर-अमरकंटक

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.8 भारत में एशियाई सिंह का प्राकृतिक आवास कहाँ है?

शेर



A सुंदरवन → रॉयल बंगाल टाइगर

B गिर वन → एशियाई शेर

C थार मरुस्थल → गोडावन

D कच्छ का रण

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.9 भारत में वन्यजीव संरक्षण के लिए कौन-सा अधिनियम लागू किया गया था?

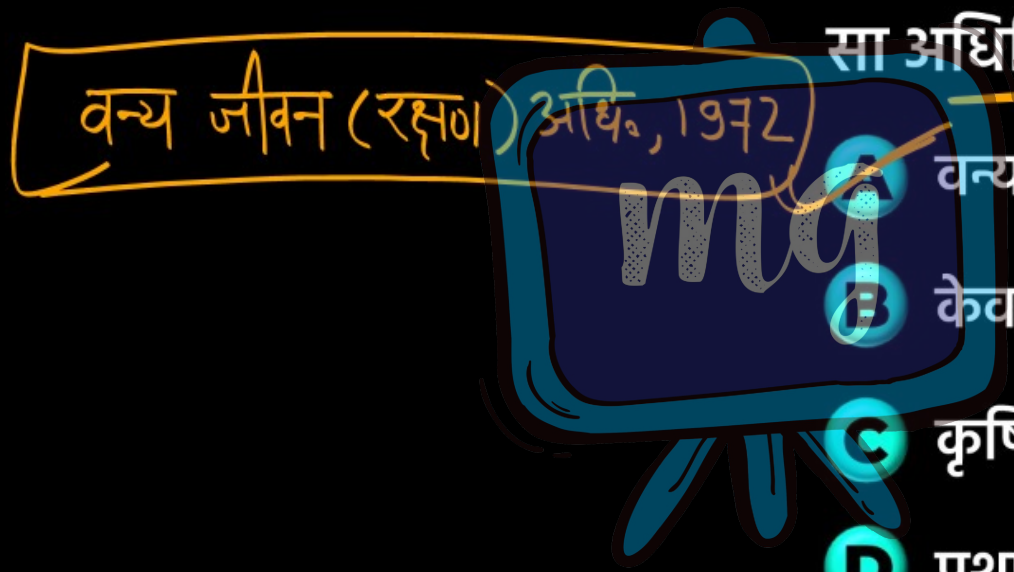

A वन्यजीव संरक्षण अधिनियम

B केवल पौध संरक्षण योजना

C कृषि विकास योजना

D पशुपालन योजना

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

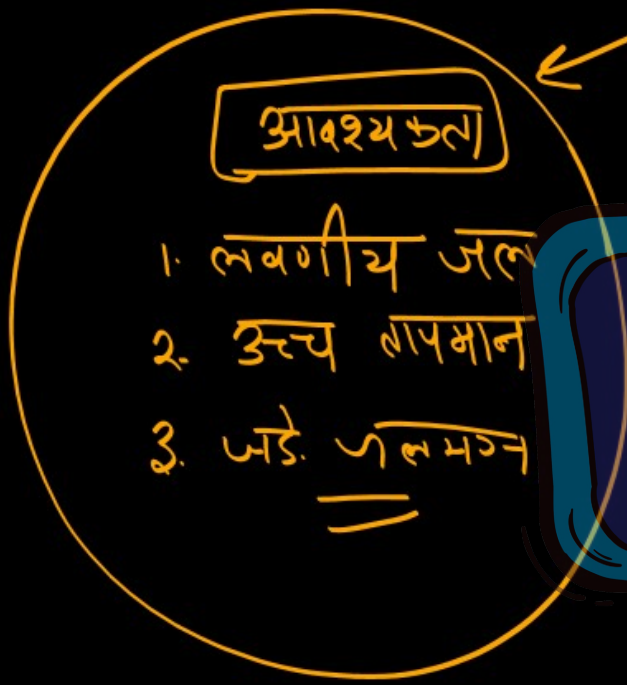

Q.10 मैंग्रोव वनस्पति की प्रमुख विशेषता क्या है?

A. इसकी जड़ें पानी में डूबी रहती हैं।

B. यह केवल बर्फीले क्षेत्रों में उगती है।

C. इसमें केवल काँटेदार झाड़ियाँ होती हैं।

D. यह केवल ऊँचे पर्वतों पर मिलती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

रिक्तस्थान-

Q.1 प्राकृतिक वनस्पति को अक्षत् ..... वनस्पति भी कहा जाता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 भारत में बिना फूलों वाले पौधों के उदाहरण शैवाल और सिल्वरफर हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वनों में वृक्षों की ऊँचाई 60 मी. या उससे अधिक हो सकती है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.4 उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वनों को मानसूनी वन भी कहा जाता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.5 काँटेदार वनस्पति वाले क्षेत्रों में पौधों की पत्तियाँ सामान्यतः .....मोटी..... होती हैं।

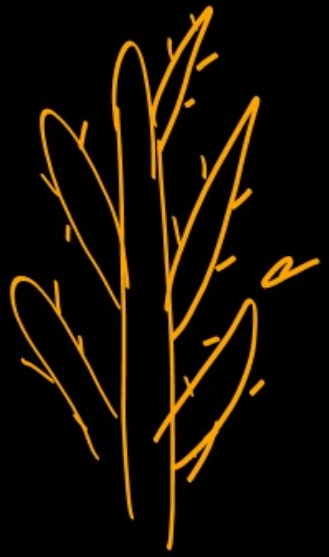



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.6 अधिक ऊँचाई पर पाई जाने वाली विशिष्ट पर्वतीय वनस्पति को अल्पाइन.. वनस्पति कहा जाता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.7 मैंग्रोव वनस्पति गंगा-ब्रह्मपुत्र के .सुन्दरवन. डेल्टा क्षेत्र में भी पाई जाती है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.8 भारत में शीत ऋतु के दौरान आने वाले साइबेरियाई सारस प्रवासी.... पक्षियों के उदाहरण हैं।



केवलादेव घना पक्षी विहार
(भरतपुर, राजस्थान)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.9 आयुर्वेद में लगभग ..... पादपों का वर्णन मिलता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.10 सरकार ने पौध उद्यानों को वित्तीय तथा तकनीकी सहायता देने की योजना ..... से शुरू की।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघुउत्तरीय प्रश्न-

Q.1 प्राकृतिक वनस्पति से क्या अभिप्राय है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.1 प्राकृतिक वनस्पति से क्या अभिप्राय है?

उत्तर :

- प्राकृतिक वनस्पति वह वनस्पति है जो मानवीय सहायता के बिना अपने आप उगती है और लंबे समय तक उस पर मानवीय प्रभाव नहीं पड़ता।
- इसे अक्षत वनस्पति कहते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 वनस्पति-जगत और प्राणी-जगत में क्या अंतर है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 वनस्पति-जगत और प्राणी-जगत में क्या अंतर है?

उत्तर : वनस्पति-जगत किसी विशेष क्षेत्र में पौधों की उत्पत्ति और उपस्थिति से संबंधित है, जबकि प्राणी-जगत उस क्षेत्र में पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के जीव-जंतुओं का परिचय देता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 भारत में काँटेदार वनस्पति किन परिस्थितियों में पाई जाती है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 भारत में काँटेदार वनस्पति किन परिस्थितियों में पाई जाती है?

उत्तर :

- कम वर्षा वाले शुष्क क्षेत्रों में काँटेदार वन तथा झाड़ियाँ उगती हैं।
- वहाँ पौधों की जड़ें लंबी और पत्तियाँ छोटी होती हैं, जिससे पानी की हानि कम होती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.4 औषधीय पौधों का क्या महत्त्व है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.4 औषधीय पौधों का क्या महत्त्व है?

उत्तर :

- औषधीय पौधे विभिन्न रोगों के उपचार में काम आते हैं।
- इनके पत्ते, जड़, फल, बीज तथा अन्य भाग पारंपरिक औषधियों में प्रयुक्त होते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.5 प्रवासी पक्षी किसे कहते हैं?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.5 प्रवासी पक्षी किसे कहते हैं?

उत्तर :

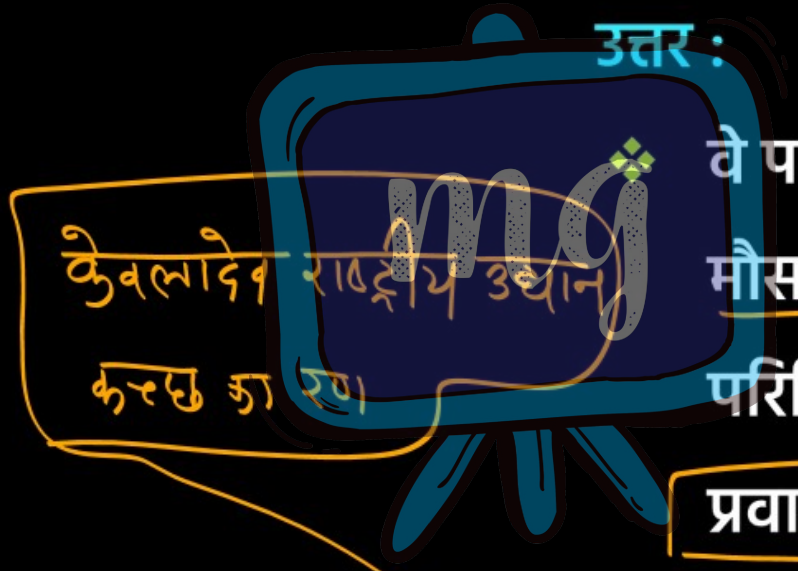

- वे पक्षी जो किसी क्षेत्र में विशेष मौसम के दौरान आते हैं और अनुकूल परिस्थितियों में समय बिताते हैं, प्रवासी पक्षी कहलाते हैं।
- भारत के आर्द्र क्षेत्र इनके लिए महत्त्वपूर्ण हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.6 जैवमंडल निचय से क्या अभिप्राय है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.6 जैवमंडल निचय से क्या अभिप्राय है?

उत्तर :



- जैवमंडल निचय एक संरक्षित क्षेत्र है, जिसका उद्देश्य प्राकृतिक पर्यावरण, वनस्पति, वन्य प्राणियों तथा जैव विविधता का संरक्षण करना है।
- यह प्राकृतिक विरासत को सुरक्षित रखने में सहायक है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.7 अल्पाइन वनस्पति की एक विशेषता बताइए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Q.7 अल्पाइन वनस्पति की एक विशेषता बताइए।

उत्तर :

- अत्यधिक ऊँचाई पर अल्पाइन वनस्पति पाई जाती है।
- हिमरेखा के निकट वृक्ष छोटे होते जाते हैं और अंततः झाड़ियों के बाद अल्पाइन घास के मैदान दिखाई देते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.8 वन्यजीवों के संरक्षण की आवश्यकता क्यों है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.8 वन्यजीवों के संरक्षण की आवश्यकता क्यों है?

उत्तर :

- प्रत्येक वन्यजीव पारिस्थितिक तंत्र में योगदान देता है।
- उनका अत्यधिक शोषण प्राकृतिक संतुलन बिगाड़ता है।
- इसलिए जीवों की विविधता बनाए रखने और प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा के लिए संरक्षण आवश्यक है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.9 औषधीय उपयोग में नीम का क्या महत्त्व है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.9 औषधीय उपयोग में नीम का क्या महत्त्व है?

उत्तर :

नीम जैव तथा जीवाणु प्रतिरोधी है। यह औषधीय पौधों में शामिल है और प्राकृतिक वनस्पति के उपयोगी महत्त्व को दर्शाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

Q.1 भारत में प्राकृतिक वनस्पति के वितरण को प्रभावित करने वाले कारकों की व्याख्या कीजिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.1 भारत में प्राकृतिक वनस्पति के वितरण को प्रभावित करने वाले कारकों की व्याख्या कीजिए।



उत्तर :

- भारत में वनस्पति का वितरण मुख्यतः वर्षा, तापमान और ऊँचाई जैसी प्राकृतिक परिस्थितियों से संबंधित है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- अलग-अलग क्षेत्रों में जल की उपलब्धता तथा जलवायु की भिन्नता के कारण विभिन्न प्रकार के वन विकसित होते हैं।
- अधिक वर्षा वाले गर्म और आर्द्र क्षेत्रों में घने वन मिलते हैं, जबकि कम वर्षा वाले क्षेत्रों में काँटेदार झाड़ियाँ प्रमुख होती हैं।
- पर्वतीय क्षेत्रों में ऊँचाई के साथ तापमान बदलने से वनस्पति के प्रकार भी बदल जाते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वनों की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वनों की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर :

ये वन अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जहाँ वर्षभर गर्म और आर्द्र परिस्थितियाँ बनी रहती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- इन वनों में वृक्षों की ऊँचाई काफी अधिक होती है तथा पेड़, झाड़ियाँ और लताएँ कई स्तरों में विकसित होती हैं।
- पत्तियाँ गिरने का कोई निश्चित समय नहीं होने के कारण वन वर्षभर हरे दिखाई देते हैं।
- इनकी प्रमुख व्यावसायिक वृक्ष प्रजातियों में आबनूस, महोगनी, रोजवुड, रबर और सिनकोना शामिल हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वनों का वर्णन कीजिए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वनों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन भारत में विस्तृत क्षेत्र में पाए जाते हैं और इन्हें मानसूनी वन कहा जाता है।
- इन वनों के वृक्ष शुष्क गर्मी के दौरान अपनी पत्तियाँ गिरा देते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- जल की उपलब्धता के आधार पर इन्हें आर्द्र तथा शुष्क पर्णपाती वनों में बाँटा जाता है।
- सागौन, साल, बाँस और शीशम जैसी प्रजातियाँ इन वनों में मिलती हैं।
- इनके कई क्षेत्रों को कृषि कार्य के लिए साफ किया गया है और कुछ स्थानों पर पशुचारण भी होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.4 पर्वतीय वनस्पति में ऊँचाई के अनुसार होने वाले परिवर्तन समझाइए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.4 पर्वतीय वनस्पति में ऊँचाई के अनुसार होने वाले परिवर्तन समझाइए।

उत्तर :

- पर्वतीय क्षेत्रों में ऊँचाई बढ़ने तथा तापमान घटने के साथ वनस्पति में परिवर्तन होता है।
- निचले पर्वतीय भागों में चौड़ी पत्तियों वाले ओक और चेस्टनट मिलते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- अधिक ऊँचाई पर शंकुधारी वृक्ष जैसे चीड़, देवदार और सिल्वर फर पाए जाते हैं।
- इससे ऊपर वनस्पति छोटी होती जाती है और अंततः अल्पाइन घास के मैदान विकसित होते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- इन क्षेत्रों में काई, लाइकेन तथा टुंड्रा वनस्पति भी मिलती है।
- पशुपालक समुदाय इन घास के मैदानों का उपयोग करते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.5 भारत में पाए जाने वाले वन्य प्राणियों की विविधता का वर्णन कीजिए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.5 भारत में पाए जाने वाले वन्य प्राणियों की विविधता का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

भारत में अनेक प्रकार के स्तनधारी, पक्षी, मछलियाँ, सरीसृप और उभयचर पाए जाते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- विभिन्न जलवायु और प्राकृतिक आवासों के कारण वन्यजीवों का वितरण अलग-अलग है।
- पर्वतीय क्षेत्रों में याक और हिम तेंदुए जैसे जीव मिलते हैं, जबकि शुष्क क्षेत्रों में जंगली गधे और ऊँट पाए जाते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- नदियों तथा झीलों में कछुए, मगरमच्छ और घड़ियाल मिलते हैं।
- देश के वन अनेक पक्षियों तथा अन्य जीवों के लिए महत्त्वपूर्ण आवास हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.6 भारत में वन्यजीवों की संख्या घटने के प्रमुख कारण बताइए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

Q.6 भारत में वन्यजीवों की संख्या घटने के प्रमुख कारण बताइए।

उत्तर :

- वन्यजीवों की संख्या घटने के प्रमुख कारणों में व्यावसायिक लाभ के लिए अत्यधिक शिकार, रासायनिक और औद्योगिक अपशिष्टों से होने वाला प्रदूषण, विदेशी प्रजातियों का प्रवेश तथा कृषि और आवास के लिए वनों की अंधाधुंध कटाई शामिल हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- पौधों और जीवों का अत्यधिक उपयोग पारिस्थितिक तंत्र को असंतुलित करता है।
- इन गतिविधियों के कारण कई प्रजातियाँ संकटग्रस्त हो गई हैं और कुछ विलुप्त भी हो चुकी हैं।
- इसलिए प्राकृतिक आवासों की रक्षा और जीवों के संरक्षण की आवश्यकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.7 भारत में जैव विविधता का क्या महत्त्व है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q.7 भारत में जैव विविधता का क्या महत्त्व है?

उत्तर :

- भारत में पौधों और जीवों की विविधता प्राकृतिक संपदा का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है।
- पौधे भोजन, औषधियाँ और उपयोगी कच्चा माल उपलब्ध कराते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- पशु कृषि, परिवहन तथा भार ढोने में सहायता करते हैं।
- पक्षी और अन्य जीव परागण तथा हानिकारक कीटों के जैविक नियंत्रण में योगदान देते हैं।
- प्रत्येक प्रजाति पारिस्थितिक तंत्र में अपनी भूमिका निभाती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- यदि प्रजातियाँ नष्ट होती हैं, तो प्राकृतिक संतुलन प्रभावित होता है।
- इसलिए जैव विविधता का संरक्षण मानव जीवन के लिए आवश्यक है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.8 भारत में वनस्पति संरक्षण के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का वर्णन कीजिए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.8 भारत में वनस्पति संरक्षण के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- भारत में वनस्पति और जीव-जंतुओं की रक्षा के लिए सरकार ने कई उपाय किए हैं।
- संरक्षित क्षेत्रों की स्थापना की गई है तथा पौध उद्यानों को वित्तीय और तकनीकी सहायता देने की योजना बनाई गई है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- बाघ संरक्षण, गैंडा संरक्षण और भारतीय भैंसा संरक्षण जैसी योजनाएँ चलाई गई हैं।
- राष्ट्रीय उद्यानों, वन्यजीव अभयारण्यों और चिड़ियाघरों की स्थापना भी संरक्षण के प्रयासों का हिस्सा है।
- इन उपायों का उद्देश्य प्राकृतिक संपदा को सुरक्षित रखना और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखना है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.9 मैंग्रोव वनों की विशेषताएँ और उनका भौगोलिक वितरण बताइए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

Q.9 मैंग्रोव वनों की विशेषताएँ और उनका भौगोलिक वितरण बताइए।

उत्तर :

- मैंग्रोव वनस्पति तटीय क्षेत्रों में पाई जाती है, जहाँ ज्वार-भाटा आता है और मिट्टी तथा बालू जमा होती है।
- इसकी जड़ें पानी में डूबी रहती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- यह गंगा, ब्रह्मपुत्र, महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी नदियों के डेल्टा क्षेत्रों में मिलती है।
- गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा में सुंदरी वृक्ष पाया जाता है, जिसकी लकड़ी मजबूत होती है।
- नारियल, ताड़ और एंगार जैसे वृक्ष भी इन क्षेत्रों की वनस्पति में शामिल हैं।